



AS  
30716

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 15]  
No. 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 27, 1985/वैशाख 7, 1907

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 27, 1985/VAISAKHA 7, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड IV

### PART II—Section IV

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

तई दिल्ली, 21 मार्च 1985

का०नि०आ० 69.—केन्द्रीय मरकार तटरक्षक अधिनियम, 1978 (1979 का 30) को धारा 123 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तटरक्षक नाविक (तकनीकी शाखा) भर्ती नियम, 1982 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तटरक्षक नाविक (तकनीकी शाखा) भर्ती (संशोधन) नियम 1985 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 तटरक्षक नाविक (तकनीकी शाखा) भर्ती नियम, 1982 की अनुसूची में क्रम सं. 3 पर प्रधान यांत्रिक के पद के समने संख्या 11 के नोंच की प्रविष्टि में प्रोन्नति शीर्षक के नोंचे पैरा (1) के अधान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा अर्थात् :-

“(1) तटरक्षक में ऐसे उपयुक्त उत्तम यांत्रिकों में से प्रोन्नति द्वारा निर्धारित उस रैक में कम से कम 2 वर्ष सेवा को है। और दिमागोग्य परीक्षा भी उत्तीर्ण को है।”

नरेश चन्द्र सिंह नेगी, डैस्क अफिसर

टिप्पणी:-मूल नियम तारीख 17-4-1982 के भारत के राजपत्र अनुभग-2 खण्ड 4 में कानूनी नियम और आदेश संख्या 92 तारीख 1-4-1982 द्वारा प्रकाशित किये गये।

### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 21st March, 1985

S.R.O. 69.—In exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 123 of the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Coast Guard Naviks (Technical Branch) Recruitment Rules, 1982, namely :—

1. (1) These rules may be called the Coast Guard Naviks (Technical Branch) Recruitment (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Coast Guard Naviks (Technical Branch) Recruitment Rules, 1982, against the post of Pradhan Yantrik at serial number 3, in the entry under column 11 for paragraph shall be substituted, namely :—

“(i) By promotion from amongst suitable Uttam Yantriks in Coast Guard who have put in at least 2 years' service in the rank subject to passing the departmental examination.”

N. C. S. NEGI, Desk Officer

Note :—Principal rules published vide S.R.O. No. 92 dated 1-4-1982 in Part II Section IV of Gazette of India dated 17-04-1982.

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1985

मा. का. नि. 70:—राष्ट्रपति, संविधान के प्रत्युच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने कुण श्री मैतिर इंजीनियर सेवा (प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-2) भर्ती नियम, 1979 का उन वार्तों के सिवाय प्रशिक्षण करने कुण, जिन्हें ऐसे अधिकारी से पढ़ने किया गया है या करने का लोप किया गया है, रक्षा मंत्रालय के अधीन सैनिक इंजीनियर सेवा में प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-2 के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मैतिर इंजीनियर सेवा (प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-2) भर्ती नियम, 1985 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की मार्गीक्षा को प्रवृत्त होगे।
- पद-नाम्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की मंजुरा उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपार्थ अनुमूल्य के स्तरम् 2 से 4 में विनियोग है।
- भर्ती की पद्धति, आयु-मीमा, अन्य अहेताएँ आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-मीमा, अहेताएँ और उससे संबंधित अन्य वार्ते के होंगी जो उक्त अनुमूल्य के स्तरम् 5 से 14 में विनियोग हैं।
- तिरहूताएँ : वह व्यक्ति :—  
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या  
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी अविवाहित से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा।  
परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की लागू स्वीकृति के अधीन अनुमूल्य है तो उसका वरने के सिए अन्य आधार हैं तो वह विर्या व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में स्फूट दे सकेगी।
- णियिल करने की शक्ति :—जहाँ केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या सर्वानुरूप है, वहाँ वह, उपरोक्त जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इति नियमों के किसी उत्तरधि को किसी वर्ती या प्रकार के व्यक्तियों की आवश्यकता आवश्यक नहीं होनी।
- अत्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी वार्ता ऐसे आरक्षणीय, आयु-मीमा में छठ प्रीर अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं आनेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुमूलित ज्ञानियों, अनुमूलित ज्ञानज्ञानियों और अन्य विशेष पत्रों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

पद का नाम	पदों को संक्षिप्त	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रयत्न पद	मीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सेवा में जोड़े गए वर्ती का फायदा
				प्रथम पद	श्रायु-मीमा	केंद्रीय विविध भेदों (पेंगन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुमूल्य है या नहीं।
				अवयत्न पद		

1	2	3	4	5	6	7
प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-2	135* ( 1985 )	माधारण केंद्रीय सेवा समूक “अ” राजपत्रित कार्यभार के अनुमतिवीय आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	650-30-740- 35-880- द. रो.-40- 960 रु.	नवन 30 वर्ष से अधिक नहीं (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक विवित की जा सकती है)। टिप्पणी :—श्रायु-मीमा अवधारण करने के लिए निर्णायक आरीब्र. भारत में रखने वाले व्यक्तियों में (उनमें भिन्न जो प्रदमान श्राव निकाला द्वारा तथा नक्तिवाप में रखत है) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम नारीब्र होती।		नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और प्राय अर्हताएँ

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिकारी और शैक्षिक अर्हताएँ प्राप्त व्यक्तियों को दण में लागू होती हैं।

परिवेश का अवधि, यदि कोई हो

8

9

10

आवश्यक :

- (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समतुल्य
- (2) किसी सरकारी कार्यालय या लोक निकाय या व्यापिक प्राप्त व्यापिक सम्मुख्यान में किसी पर्यवेक्षी हैमियत में प्रशासन लेखा और स्थापन कार्य का 3 वर्ष का अनुभव।

टिप्पणी : 1. अर्हताएँ, अन्यथा सुअधिक अध्यक्षियों को दण में सब लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिखित की जा सकती हैं।

टिप्पणी : 2. अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएँ) सब लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुमुचित जनजातियों के अध्यक्षियों को दण में सब शिखित की जा सकती है (है) जब चयन के किसी प्रकार पर सब लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए शैक्षिक अनुभव रखने वाले उन गमुदायों के अध्यक्षियों के अध्यक्षियों के अध्यक्षियों संबंध में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

वांछनीय :—सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होती है या प्राप्तनति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली गिक्कियों की प्रतिशतता।

प्राप्तनति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में ऐसे श्रेणियां जिनमें प्राप्तनति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

12

प्राप्तनति द्वारा जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकते पर प्रोत्ती भर्ती होता है।

प्राप्तनति, ऐसा कार्यालय अधीक्षक श्रेणी-2 जिसने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है जिसमें कार्यालय अधीक्षक श्रेणी-1 में की गई सेवा की श्रेणी यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

टिप्पणी : ऐसे आगुन्तुपिक श्रेणी-2, (जो पहले निजी सहायक के रूप में था) जिन्होंने नियमित काड़ में रहने का फैलाया था और जो इन नियमों के प्रद्यापन की नारीख को कार्यालय अधीक्षक श्रेणी-1 भी सेवा कर रहे हैं, पर भी प्राप्तनति के लिए नव तक विचार किया जाएगा जब तक कि उस काड़ में उनकी सेवा समाप्त न हो जाए, परन्तु यह नव जब तक कि उन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की हो, इसमें कार्यालय अधीक्षक श्रेणी-1 की श्रेणी में की गई सेवा यदि कोई हो भी सम्मिलित है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

केंद्रीय/राज्य सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी :

- (क) (1) जो सदृश पद धारण किए हुए हैं, या
- (2) जिन्होंने 530-900 रु. या समतुल्य बेतनमात्र वाले पदों 3 वर्ष सेवा की है, या
- (3) जिन्होंने 425-700 रु. या समतुल्य बेतनमात्र आले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है, और

(ख) जिनके पास प्रगासन, स्थापना और नेतृत्व विषयों का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके प्रतिगत उमीं गंगटल/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले घाग्नि किसी अन्य काड़ वाला पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होती।

यदि विमाणी प्रान्ति समिति है तो उसकी मंजूरी

भर्ती करने में किन परिस्थितियाँ में मंत्र लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

(प्रोन्ति पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह "ब" विमाणी प्रान्ति समिति

1. अपर महानिदेशक वैज्ञानिक (कार्मिक) ई-इन-सी शाखा—(अध्यक्ष)
2. उप निर्माण महानिदेशक (पी एंड सी) ई-इन-सी शाखा—(सदस्य)
3. अवर मंत्रिव रक्षा (नियुक्तियाँ) रक्षा मंत्रालय—(सदस्य)

14

साधी भर्ती करने समय और किसी अधिकारी का प्रतिनिधित्व के पर नियुक्ति के लिए अपने घर से समय मंत्र लोक सेवा आयोग के परामर्श करना आवश्यक है।

[का. सं. ८-८५६०४ / १४/प्रो-१ तथा ए. प्रो-२ संग्रहीत]

New Delhi, the 29th March, 1985

S.R.O. 70.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Military Engineer Services (Administrative Officer Grade II) Recruitment Rules, 1979, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Administrative Officer Grade II in the Military Engineer Services, under the Ministry of Defence, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Military Engineer Services (Administrative Officer Grade II) Recruitment Rules, 1985.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in column 5 to 14 of the said Schedule.

#### 4. Disqualification.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Administrative Officer	*135 (1985) *Subject to variation dependent on work load.	General Central Service	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960	Selection	Not exceeding 30 yrs. (Relaxable for Government servants up to 5 years in accordance with the instructions/orders issued by the Central Government). Note: The crucial date for determining	No	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years experience of administration accounts and establishment work in a supervisory capacity in a Government office or Public Body or commercial concern of repute.
Grade II		Group B Gazetted Ministerial					

1	2	3	4	5	6	7	8
					the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).		Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.
							Note: 2 The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
							Desirable: Knowledge of Government rules and regulations.
Whether age and educational qualifications proscribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.		
9	10	11	12	13	14		
No	Two years	By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion-Officer Superintendent Grade II with 8 years regular service in the grade including services, if any rendered in the grade of Office Superintendent Grade I.  Note: Stenographers Grade II (formerly known as Personal Assistant) who have opted for clerical cadre and are serving as Office Superintendents Grade I on the date of promulgation of these rules shall also be considered for promotion until they are wasted out provided they have rendered 8 years regular service in the grade including service, if any, rendered in the grade of Office Superintendent Grade I.	Group B Departmental Promotion Committee for considering promotion/ confirmation.  1. Additional Director General of Engineers (Personnel), Engineer-in-Chief's Branch-Chairman 2. Deputy Director General of Works (P&C) Engineer-in-Chief's Branch-Member. 3. Under Secretary D (Appointments), Ministry of Defence Member	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and selecting an officer for appointment on deputation.		
			Transfer on deputation: Officers under the Central/ State Government: (a) (i) holding analogous posts, or				

9

10

11

12

13

14

(ii) with 3 years service in the posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent, or

(iii) with 8 years service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent, and

(b) possessing experience in administration, establishment and accounts matters (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years).

[F. No. 85604/14/AQJ&amp;AO II/CSCE]

का० नि० आ० 71:—गान्धीपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और नौसेना समूह “ग” ग्रन्थांगिक-कमर पद) भर्ती नियम, 1972 को, जहाँ तक उनका संबंध न्यूयर नक्षानवास (सिविल/यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/आयुद्ध/कलाकार/चार्ट) प्रधान नक्षानवास (सिविल/यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/आयुद्ध/कलाकार/चार्ट) ज्येष्ठ नक्षानवास (सिविल/यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/आयुद्ध/कलाकार/चार्ट) नक्षानवास (सिविल/यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/आयुद्ध/कलाकार/चार्ट) और अनुरेखक से हैं, उन वार्ताओं के सिवाय अधिकान्त करने हुए जिन्हें ऐसे अधिकमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, नौसेना में शाईग कार्यालय कर्मचारी समूह “ग” ग्रन्थांगिक पदों पर भर्ती का पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- संधिक्त नाम श्रीर प्रारंभ:— (1) इन नियमों का संधिक्त नाम नौसेना समूह “ग” ग्रन्थांगिक पद (शाईग कार्यालय कर्मचारी) भर्ती नियम, 1985 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशित कर नारंख को प्रवृत्त होगे।
- लागू होना:—ये नियम इन नियमों में उपाधान अनुसूच में संभ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होगे।
- पद-नियम, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों के संघा, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के संभ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती को पद्धति, आयु-संभा और अन्य अर्हताएं आदि:—भर्ती को पद्धति, आयु-संभा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पुर्वोक्त अनुसूची के संभ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।
- नियमिता: वह व्यक्ति:—  
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसके पत्नी जं वित है, विवाह किया है, या  
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के ज वित होते हुए किमि व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा।  
परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृत विधि के अधीन अनुज्ञय है श्रीर ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छोड़ दे सकेगा।
- विधिल करने का शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समंचित है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिख पढ़ करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को बाबत, आवेदन द्वारा विधिल कर सकेंगे।
- आवासि:—इन नियमों को कोई भी बाबत, ऐसे आवश्यकों, आयु-संभा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जानियों, अनुसूचित अनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध बरसा आवेदन है।

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद	संघीय भर्ती किए जाने वाले व्य-	सेवा में जोड़े गए वर्षों का
	संघा		प्रथमा	वित्यों के लिए आयु-संभा	कायदा केन्द्रीय सिविल सेवा
			अन्य		(पेशन) नियम, 1972 के
1. मुख्य नक्षा-नियम (सिविल/यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/आयुद्ध/कलाकार/चार्ट)	114 (1985)	मध्यांग नेट्रिय सेक्षा	700-30-	चयन	35 वर्ष
		समूह “ग” अराज-	760-35-		नहीं
		पद्धति अनुसूचितवाय	900 रु		
		अनुशोधिक			

1	2	3	4	5	6	7
1. मुख्य नक्षा-नियम (सिविल/यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/आयुद्ध/कलाकार/चार्ट)	114 (1985)	मध्यांग नेट्रिय सेक्षा	700-30-	चयन	35 वर्ष	नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य प्रहृताएँ

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अहमांग प्रोन्नत व्यक्तियों के दशा में लागू होते या नहीं

परिवेक्षा की प्रवधि, यदि कोई हो

8

9

10

1. इंज नियर्स में चिंगे या उसके समतुल्य और 1 वर्ष का प्रनुभव

या

2. मैट्रिकुलेशन या समतुल्य । नौमेना/समुद्र/विद्युत/संरचना/कमेण्टन/मिक्रो इंज नियर/ड्राइंग कार्यालय में कम से कम 3 वर्ष के शिक्षा पूर्ण की हो और नक्शानवर्ती में 10 वर्ष का अनुभव ।

या

3. मिविस/यांकिक/विद्युत/नौमेना/वास्तुकला और पोस निर्माण इंज नियर्स में डिप्लोमा/वाणिज्यिक कला में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र और नक्शानवर्ती में 10 वर्ष का अनुभव ।

प्रोलन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती का पद्धति तथा विभिन्न पद्धति नियर्सों द्वारा भर्ती जाने वाली विकल्पों का प्रनिशत्ता ।

11

प्रोलन्ति द्वारा, जिसके न हो सकते पर स्थानान्तरण द्वारा, और दोनों के न हो सकते पर संघ भर्ती द्वारा ।

यदि विभार्त य प्रोलन्ति समिति है तो उसक संरचना

ममृह “ग” विभागीय प्रोप्रेनि समिति जो निम्नलिखित में मिलकर बनेगी :

1. अध्यक्ष

कमांडर या समतुल्य या उसमें ऊपर वीर रैक का आकिमर

2. सदस्य

लैफिटेट कमांडर/लैपिटेट की या समतुल्य रैक के दो आकिमर (एक विभागीय और एक बाहर का अधिमानत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का )

1

2

3

4

5

6

7

2. प्रधान नक्शानवर्तीम (मिक्रो/यांकिक/निर्माण/आयुध/कलाकार/ आर्ट)

माध्यम केन्द्रीय सेवा ममृह “ग” 550-20-650-25-

प्रागपत्रित अनुसूचितीय 750 रु.

अनौदोगिक

35 वर्ष

नहीं

प्रोलन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती का दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोलन्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा ।

12

प्रोलन्ति :—ऐसा प्रधान नक्शानवर्ती या जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है और जिसने विभागीय अर्थक पर्यंत आ उन एं के है ।

स्थानान्तरण :—ऐसे व्यक्ति जो रक्षा सेवाओं के सिविल पदों पर गमरण, समतुल्य या उच्चवर श्रेणियों में सेवा कर रहे हैं और जिनके पास संभव 8 में वितरिंग अहमांग है ।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ सौंक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

13

लागू नहीं होता

8

9

10

11

1. इंजीनियरी में डिप्री या उसके समतुल्य  
2. मैट्रिकुलेशन या समतुल्य/नौसेना/समूद्री/विद्युत/  
यांत्रिक/संरचना/कर्मणाला/सिविल इंजीनियरी ड्राइंग  
कार्यालय में कम से कम 3 वर्ष की शिक्षा पूरी  
की ही और नक्शानवीसी में 5 वर्ष का अनुभव।

या

3. सिविल/यांत्रिक/विद्युत/नौसेना/वास्तुकला और पोत  
निर्माण इंजीनियरी में डिप्लोमा/वाणिज्यिक कला  
में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र और नक्शानवीसी में 5  
वर्ष का अनुभव।

12

13

14

प्रोत्तिः

समूह "ग" विभागीय प्रोत्तिः समिति जो निम्न-  
लिखित से मिल कर बनेगी:—

लानु नहीं होता

ऐसा ज्येष्ठ नक्शानवीस जिसने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है  
और जिसने विभागीय अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

स्थानान्तरण :

ऐसे व्यक्ति, जो रक्षा सेवाओं के सिविल पदों पर समर्थ, सम-  
तुल्य या उच्चतर श्रेणियों में सेवा कर रहे हैं और जिनके  
पास स्तरं 8 में विनियिष्ट अर्हताएं हैं।

1. अध्यक्ष:—  
कमांडर या समतुल्य या उससे ऊपर की रैंक का  
आफिसर।  
2. सदस्य:—  
लेफिटेनेंट कमांडर/लेफिटेनेंट की या समतुल्य रैंक के  
दो आफिसर (एक विभागीय और एक बाहर  
का अधिमानतः अनुसूचित जाति/प्रनूसूचित<sup>1</sup>  
जनजाति का)

1

2

3

4

5

6

7

3. ज्येष्ठ नक्शानवीस (सिक्किल/ 308 माधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" 425-15-500-द. रो.- चयन 35 वर्ष नहीं  
यांत्रिक/विद्युत/निर्माण/शायुध/ (1985) अराजपत्र अननुमतिवीय, 15-560-20-700  
कलाकार/चार्ट) अनौद्योगिक या

मैट्रिकुलेशन या समतुल्य। इंजीनियरी में 3 वर्षीय डिप्लोमा या उसके समतुल्य  
अधिमानतः 2 वर्ष का अनुभव सहितः  
या

नौसेना/समूद्री/विद्युत/यांत्रिक/संरचना/कर्मणाला/सिविल इंजीनियरी ड्राइंग कार्यालय या  
नौसेना वास्तुकला और पोत निर्माण में कम से कम 3 वर्ष की शिक्षा पूरी  
की ही या वाणिज्यिक कला में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र और 2 वर्ष का अनुभव।

नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए  
दो वर्ष प्रोत्तिः/स्थानान्तरण किए गए  
व्यक्तियों के लिए कोई परिवीक्षा प्रवधि नहीं

11

12

13

14

प्रोत्तिः द्वारा, जिसके न हो सकते प्रोत्तिः  
पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों ऐसा नक्शानवीस, जिसने उस श्रेणी  
के न हो सकते पर सीधी भर्ती  
द्वारा।

स्थानान्तरण :

ऐसे व्यक्ति, जो रक्षा सेवाओं के  
सिविल पदों पर समर्थ, समतुल्य  
या उच्चतर श्रेणियों में सेवा कर  
रहे हैं और जिनके पास स्तरं 8  
में विनियिष्ट अर्हताएं हैं।

समूह "ग" विभागीय प्रोत्तिः समिति जो निम्न-  
लिखित से मिल कर बनेगी:—

लानु नहीं होता

1. अध्यक्ष:—  
कमांडर या समतुल्य या उससे ऊपर के रैंक का  
आफिसर।

2. सदस्य:—

लेफिटेनेंट कमांडर/लेफिटेनेंट की या समतुल्य रैंक के  
दो आफिसर (एक विभागीय और एक बाहर का  
अधिमानतः अनुसूचित जाति/प्रनूसूचित जनजाति  
का)

1	2	3	3	5	6	7
4. नक्षात्रवीम (मिलियांत्रिक/ विशुन/निर्माण/प्रायुद्ध/कलाकार/ पार्ट)	311 (1985)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" प्रराजपत्रित अनुसन्धानीय स्नानीयांगिक	330-10-380-व. रो. 12-500-व. रो.-15 560 रु.	प्रचयन	35 वर्ष	नहीं

8

9

1. मेट्रिकुलेशन या समतुल्य । नक्षात्रवीमी में 2 वर्षीय डिप्लोमा या उसके समतुल्य या वाणिज्यिक कला में शिल्पों या प्रमाणपत्र और प्रधिमानत : 2 वर्ष का अनुभव ।

2. नौसेना/समुद्री/विशुन/वांत्रिक/मर्ट्यना/कर्मशाला/मिल इंजीनियरी ड्रॉइंग कार्यालय या नौसेना वास्तुकला और पान निर्माण में कम से कम 3 वर्ष की शिक्षा पूरी की हो ।

10

11

12

सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों के लिए दो वर्ष प्रोन्नति/स्थानांतरण किए गए व्यक्तियों के लिए कोई परिवीका प्रवधि नहीं । ।

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकते पर स्थानां- प्रोन्नति तरण द्वारा और थोनों के न हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रत्येक प्रवर्ग के मामले नीचे उपलिखित कोटा के आधार पर प्रोन्नति की जाएगी :-

1. ऐसे अनुरेषक, जिन्होंने उस शेषी में कम से कम 20 वर्ष सेवा की है -10 प्रतिशत
2. ऐसे नौसेना विधु, जिन्होंने कम से कम 36 मास की शिक्षा मफलनापूर्वक पूरी की है और जो नौसेना स्थापनों में सेवा कर रहे हैं तथा विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर ऐसे अनुरेषक, जिन्होंने 5 वर्ष सेवा की है 90 प्रतिशत

टिप्पण :—यदि ऐसे अनुरेषक जिनकी 20 वर्ष की सेवा है उपलब्ध नहीं है तो बाकी बचे हुए पदों को कम से 2 के प्रवर्ग में सेवा जाएगा ।

स्थानांतरण :—ऐसे व्यक्तियों, जो रक्षा सेवाओं के सिविल पदों पर समर्हण, समतुल्य या उच्चतर श्रेणियों में सेवा कर रहे हैं और जिनके पास स्तर 8 में विनियोगित अहंताएं हैं ।

13

14

समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति जो निम्नलिखित से लिल कर बनेगी :—

साग नहीं होता

#### 1. प्रध्यये

कमांडर या समतुल्य या उससे ऊपर की ईक का प्राफिसर ।

#### 2. सदस्य

सेपिटेंट कमांडर/सेपिटेंट की या समतुल्य ईक के दो प्राफिसर (एक विभागीय प्रोट एक बाहर का प्रधिमान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का)

1	2	3	4	5	6	7
प्रनुभेशक	150 (1985)	मात्रागत केन्द्रीय सेवा ममृह 'ग' प्रगतिप्रिण अनन्त मञ्चिकीय अनोशोधिक	260-6-300-द.रो-8-340-10 380-द.रो. 10-430 रु.	लागू नहीं होता	25 यर्थ से अधिक नहीं (केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा ममता-सम्बन्ध पर जारी किए गए आदेशों के अनुमान 35 वर्ष तक शिथियल की जा सकती है)	नहीं
8	9	10	11			
1. मैट्रिक्सेशन या समनुत्य	लागू नहीं होता	मीर्धे भर्ती किए गए व्यक्तियों के लिए दो वर्ष/ स्थानांतरण द्वारा, जिसके न हो				
2. किसी मान्यताप्राप्त फर्म से प्रनुभेशक के रूप में 1 वर्ष का अनुभव या नक्षणानवीन में प्रमाणपत्र।		स्थानांतरित व्यक्तियों के लिए कोई परिवीक्षा अवधि नहीं।				
12	13	14				
स्थानांतरण	(पुस्ट के संबंध में विचार करने के लिए)	लागू नहीं होता				
ऐसे व्यक्ति, जो रक्षा सेवाओं के मिलिल पदों पर समरूप, समनुत्य या उच्चान्तर ध्येयियों में सेवा कर रहे हैं और जिनके पास स्वामी 8 में विर्तिदिष्ट अस्तित्वाएं हैं।	1. अध्ययन: कमांडर या समनुत्य या उसमें ऊपर की ईंक का आफिशर 2. सवास्थ: लेपिटनेंट कमांडर/लेपिटनेंट की या समनुत्य ईंक के दो आफिशर (एक विभागीय और एक बाहर का अधि- मानत : अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का)					

S.R.O. 71.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Navy Group 'C' (Non-Industrial Posts) Recruitment Rules, 1972, in so far as they relate to the posts of Chief Draughtsman (Civil/Mechanical/Electrical/Construction/Armament/Artist/Charts), Head Draughtsman (Civil/Mechanical/Electrical/Construction/Armament/Artist/Charts), Senior Draughtsman (Civil/Mechanical/Electrical/Construction/Armament/Artist/Charts), Draughtsman (Civil/Mechanical/Electrical/Construction/Armament/Artist/Charts) and Tracer, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' Non-Industrial posts of Drawing Office Staff in the Navy namely :—

1. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Navy (Group 'C', Non-Industrial Posts, Drawing Office Staff) Recruitment Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts as specified in column 1 of the Schedule annexed with these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith, shall be as specified in column 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

## 5. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or  
 (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of CCS Pension Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1. Chief Draughtsman (Civil/Mechanical/Electrical/Construction/Armament/Artist/charts.)	114 (1985)	General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted Non-Ministerial, Non-Industrial.	Rs. 700-30-760-35-900.	Selection.	35 years.	No	1. A Degree in Engineering or its equivalent with 1 years experience. OR 2. Matriculation or equivalent. Must have completed apprenticeship of at least 3 years in Naval/Marine/Electrical/Structural/Workshop/Civil Engineering Drawing Office with 10 years experience in Draughtsmanship. OR 3. Diploma in Civil/ Mechanical/Electrical/Naval Architecture and Ship Construction Engineering/Diploma/Certificate in Commercial Art with 10 years experience in Draughtsmanship.
Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment by promotion/deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer and percentage for grades from which promotion, deputation, transfer to be made	If Departmental promotion committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment		
9	10	11	12	13	14		
No.	Two years for direct recruits. No probation period for promotees/transferees.	By promotion failing that by transfer and failing both by direct recruitment.	Promotion: Head Draughtsman with 3 years service in the grade and who have passed in a departmental qualifying test. Transfer: Persons servicing in similar, equivalent or higher grades in the civil posts of the Defence Services and possessing qualifications specified in column 8.	Group 'C' Departmental Promotion Committee, consisting of : 1. Chairman: Officer of the rank of Commander or equivalent or above. 2. Members: Officers of the rank of Lieutenant Commander/Lieutenant or equivalent (One departmental and one independent preferably one belonging to the Scheduled Caste/Scheduled Tribe).	Not applicable.		

1	2	3	4	5	6	7	8
2. Head Draughtsman ( Civil/ Mechanical/ Electrical/ Construction/ Armament/ Artist/ Charts.	235(1985)	General Central Service, Group "C", Non- Gazetteed, Non- Ministerial, Non- Industrial	Rs. 550-20- 650-25-750.	Selection.	35 years.	No	<p>1. A Degree in Engineering or its equivalent. Or</p> <p>2. Matriculation or equivalent. Must have completed apprenticeship of at least 3 years in Naval/ Marine/Electrical/Mechanical/Structural Workshop/ Civil Engineering Drawing office with 5 years experience in Draughtsmanship.</p> <p>OR</p> <p>3. Diploma in Civil/Mechanical/Electrical/Naval Architecture and Ship Construction Engineering/Diploma/ Certificate in Commercial Art with 5 years experience in Draughtsmanship.</p>

9	10	11	12	13	14
No	Two years for direct recruits. No probation period for promoted/transferees.	By promotion, failing that by transfer and failing both by direct recruitment.	Promotion: Senior Draughtsman with 3 years service in the grade and who have passed in a departmental qualifying test. Transfer: Persons serving in similar, equivalent or higher grades in the civil posts of the Defence Services and possessing qualifications specified in column 8.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of: 1. Chairman: Officer of the rank of Commander or equivalent or above. 2. Members : 2 Officers of the rank of Lieutenant Commander / Lieutenant or equivalent (one departmental and one independent preferably one belonging to the Schedule Casts/Scheduled Tribes).	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
3. Senior Draughtsman (Civil/ Mechanical/ Electrical/ Construction/ Armament/ Artist/ Charts.	308(1985)	General Central Services, Group 'C', Non- Gazetteed, Non- Ministerial, Non- Industrial.	Rs. 425-15- 500-EB-15- 560-20-700.	Selection.	35 years.	No.	<p>1. Matriculation or equivalent.</p> <p>2. 3 years Diploma in Engineering or its equivalent preferably with 2 years experience.</p> <p>OR</p> <p>3. Must have completed approved apprenticeship of atleast 3 years in Naval/Marine/ Electrical/Mechanical/Structural/ Workshop/Civil Engineering Drawing office or Naval Architecture and Ship Construction or Diploma/Certificate in Commercial art with 2 years experience.</p>

9	10	11	12	13	14
No.	Two years for direct recruits. No probation period for promotees/transferees.	By Promotion failing that by transfer and failing both by direct recruitment.	Promotion: Draughtsman with 3 years service in the grade and who have passed in a departmental qualifying test. Transfer: Persons serving in similar, equivalent or higher grades, in civil posts of the Defence Services and possessing qualifications specified in column 8.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. Chairman Officer of the rank, of Commander or equivalent or above. 2. Members: 2. Officers of the rank, of Lieutenant Commander Lieutenant or equivalent (One departmental and one independent preferably one belonging to the Scheduled Caste/Scheduled Tribe)	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7	8
4. Draughtsman (Civil/Mechanical/Electrical/Construction/Armament/Artist/Charts).	311	General Central Service, Group 'C', Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-selection.	35 years.	No	1. Matriculation or equivalent, 2 years Diploma in Draughtsmanship or its equivalent or Diploma or Certificate in Commercial Art preferably with 2 years experience. OR 2. Must have completed apprenticeship of at least 3 years in Naval/Marine Electrical/Mechanical/Structural/Workshop/Civil Engineering Drawing Office Or Naval Architecture and Ship Construction.

9	10	11	12	13	14
No	Two years for direct recruits. No probation period for promotees/transferees.	By promotion failing that by transfer and failing both by direct recruitment.	Promotion: The promotion will be made on the basis of quota indicated below against each category :— 1. Tracers who have put in not less than 20 years service in the grade -10 per cent. 2. Naval Apprentices who have successfully completed at least 36 months apprenticeship and are in service in Naval Establishments and Tracers with 5 years service on the basis of Departmental Competitive examination -90 per cent. Note : In case Tracers with 20 years service are not available, the remaining posts shall be filled from the category at serial No. 2 Transfer : Persons serving in similar, equivalent or higher grades in the civil posts of the Defence Services and possessing qualifications specified in column 8.	Group 'C' Departmental Promotion Committee Consisting of :— 1. Chairman — Officer of the rank of Commander or equivalent or above. 2. Members— 2 Officer of the rank of Lieutenant Commander/ Lieutenant or equivalent (one departmental and one independent preferably one belonging to the Scheduled Caste/Scheduled Tribes).	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
5. Tracer	150 (1985)	General Central Service, Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial Non-Industrial	Rs. 260-EB-8 300-EB-8-340- 10-380-EB-10- 430.	Not applicable	Not exceeding 25 years. (Relaxable for Govt. servants up to 35 years in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time).	No	1. Matriculation or equivalent. 2. One years' experience as Tracer from a reputed firm or certificate in Draughtsmanship.
9	10	11	12	13	14		
Not Applicable	Two years for directs recruits. No probation period for transferees.	By transfer failing that	Transfer : Persons serving in similar, equivalent or higher grades, in the civil post of the Defence Services and possessing qualifications specified in column 8.	Group 'C' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation), consisting of :—	Not applicable	1. Chairman : Officer of the rank of Commander or equivalent or above. 2. Members : 2 Officers of the rank of Lieutenant/Commander/ Lieutenant or equivalent. (One departmental and one independent preferably one belonging to Scheduled Caste/ Scheduled Tribe).	

[F. No. C.P.(S.C.)/2819]  
M.C. JUNEJA, Under Secy.

NOTE :— 1. The number of posts indicated in column 2 of the Schedule is subject to variation dependent on workload.

2. The crucial date for determining the age limits mentioned in column 6 of the Schedule shall, in each case be the closing date for receipt of applications from the candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Island and Lakshadweep).

3. In respect of posts, the appointments to which are made through the employment exchange, the crucial date for determining the age limit in each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

4. The qualifications regarding experience indicated in column 8 of the schedule are relaxable at the discretion of the appointing Authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes if at any stage of selection, the Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1985

का०नि०आ० 72 :—माध्यस्थम समिति को प्रक्रिया को विनियोगित करने से सम्बन्धित कठिपय नियमों का निम्नलिखितप्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार आवासी अधिनियम, 1924(1924 का 2) की धारा 280 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है उक्त धारा की उपधारा (1) की उपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानेकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से साठ दिन की कालावधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात बिचार किया जाएगा।

3. ऐसे आक्षेपों या मुकाबों पर जो उक्त प्रारूप की बाबत ऊपर इस प्रकार विनिर्दिष्ट साठ दिन का कालावधि के अन्दर किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्रारूप नियम

1. मंक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का मंक्षिप्त नाम छावनी (माध्यस्थम सम्मतियां को प्रक्रिया का विवरण) नियम, 1985 है।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रत्यक्षत होंगे,

(3) परिवारण: इन नियमों में जब तक कि विवरण या संदर्भ से कोई बात प्रतिकूल न हो—

(क) "अधिनियम" से छावनी अधिनियम, 1924 अभिप्रेत है,

(ख) "छावनी" से अधिनियम को धारा 262 के अधीन गठित माध्यस्थम समिति अभिप्रेत है;

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं।

(4) माध्यस्थम आवेदन फ़ाइल करने के लिए प्रक्रिया—ऐसे प्रत्येक मामले में जहां अधिनियम के अधीन किसी प्रक्रिया का संकाय करने के बोर्ड के दायित्व के बारे में या इस प्रकार संदेश किसी प्रतिकार को रकम के बारे में कोई असहमति है तो ऐसे प्रतिकार का वाचा करने वाला व्यक्ति कार्यपालक अधिकारी को माध्यस्थम के लिए निम्नलिखित विवरण करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत करेगा—

(1) अपने मामले की पूर्ण विवरणी और उसके दावे का अधार,

(2) मूल माध्यस्थम करार यदि कोई है, जिससे या जिसके संबंध में विवाद पैदा हुआ है या ऐसी कोई दस्तावेज़ या जानकारी जो सुसंगत है या जिसका अवलंब लिया जा सकता है।

(5) बोर्ड को निर्देश:—नियम के अधीन आवेदन की प्राप्ति पर कार्यपालक अधिकारी विवादस्पद मामले का अवधारण करने के लिए समिति का संयोजन करने के लिए इसे बोर्ड को निर्देशित करेगा। साथ ही साथ वह बोर्ड के मामले का उल्लेख करते हुए एक प्रत्यक्षतर तैयार करेगा जिसके माध्यमें सभी दस्तावेज़ और सूचना होगी जिसका मामले से संबंध है।

(6) आवेदक को भेजा जाने वाला प्रत्यक्षतर:—कार्यपालक अधिकारी सभी अनुलग्नक दस्तावेज़ों यदि कोई हो पर प्रत्यक्षतर की एक प्रति रजिस्ट्रीकूल डाक द्वारा आनकारी के लिए आवेदक को भेजेगा।

(7) आवेदक द्वारा भेजे जाने वाले उत्तर का विवरण:—आवेदक प्रत्यक्षतर की प्राप्ति के तोस दिन के अन्दर या बढ़ाए गए ऐसे समय के अन्दर जो ऐसे कारणों से जिन्हें लेखबद्ध किया जाएगा समिति द्वारा मंजूर किया जाए प्रत्यक्षतर के उत्तर में एक विवरण प्रस्तुत करेगा।

(8) दस्तावेजों का पांच प्रतियां में होना:—प्रक्रियाएँ द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सभी कथन उत्तर और अन्य दस्तावेजों तथा कागज पत्र और सभी अनुलग्नक दस्तावेजों पांच प्रतियां में होंगी।

(9) माध्यस्थ की नियुक्ति को चुनौती दिया जाना:—किसी भी प्रक्रिया को यह अधिकार होगा कि वह माध्यस्थ की नियुक्ति को मुच्चना की प्राप्ति पर उसकी नियुक्ति को ऐसे कारणों से चुनौती दे सकता है जो माध्यस्थ को निराहा करते हैं। ऐसी चुनौती देने वाले प्रक्रिया को उसकी नियुक्ति समूचित किए जाने के तोस दिन के अन्दर या प्रक्रिया को ऐसे कारणों की जिसे चुनौती दी जाती है जानकारी होने के तोस दिन के अन्दर ऐसी चुनौती दो जाएगी। चुनौती की समूचना की प्रतियां अन्य प्रक्रिया और जिला मणिस्ट्रेट को भेजी जाएंगी।

(10) प्रक्रियाएँ की मुनवाई:—समिति प्रक्रियाएँ भी मुनवाई के पश्चात लिखित कथनों और उनके माध्यम संलग्न दस्तावेजों के आधार पर निर्देश का विनिष्ठय कर सकेगी।

(11) प्रक्रियाएँ द्वारा उपसंगत होना:—मुनवाई में कोई भी प्रक्रिया या तो व्यक्तिगत रूप से स्वयं या अपने काउसेल या सम्यक रूप से प्रातिकृत किसी प्रतिनिधि के माध्यम से उपसंगत होने का हकदार होगा।

(12) समिति की प्रक्रिया:—समिति निर्देश के संबंध में इस बात के होते हुए भी कार्रवाई कर सकेगी कि कोई प्रक्रिया या प्रक्रिया समिति के किसी निर्देश का पालन करने में असफल रहा है या रहे हैं और ऐसे किसी प्रक्रिया या दोनों प्रक्रियाएँ की अनुपस्थिति में जो समिति द्वारा नियत समय और स्थान पर हाजिर होने में असफल रहे हैं निर्देश के संबंध में एकपक्षीय रूप से भी कार्रवाई कर सकेगी।

(13) अधिनिर्णय का चार मास में किया जाना:—समिति निर्देश पर कार्यारंभ की तारीख से चार मास के अन्दर या बढ़ाए गए ऐसे समय के अन्दर जिसके लिए प्रक्रिया सहमत हो अधिनिर्णय करेगा। जहां कोई अधिनिर्णय किया जाना है, वहां कार्यपालक अधिकारी अधिनिर्णय की एक सही प्रति रिजिस्ट्रीकूल डाक द्वारा आवेदक को देगा।

(14) फ़ीस का अधिनिर्णीत किया जाना:—समिति, माध्यस्थ से उद्भूत होने वाले किसी मामले की बाबत समिति द्वारा उपगत साक्षियों की फ़ीस और व्यय विधिक या तकनीकी सलाह या कार्यवाहियों का खर्च और निर्देश या अधिनिर्णय के संबंध में या उससे उद्भूत होने वाले ऐसे आनुषंगिक व्यय और प्रभार जो समिति अपने विवेक-मुकाबले ठीक समझे अनुशासन करने की हकदार होंगी।

(15) खर्चों का अधिनिर्णय किया जाना—निर्देश और अधिनियम के खर्चों किसके प्रत्यर्गत प्रभाव को संभव और अन्य विषय से है समिति के विवेह नुस्खे होंगे जो इस बाबत निर्देश दे सकेगा कि किसी के द्वारा और किस रोति में और किस अनुपात में ऐसे प्रभाव, कामें और अन्य विषय या उनके कोई ऐसे विहन और संदर्भ किए जाएंगे।

(16) दोनों विषयों की बाबत जिनके संबंध में इन नियमों में विविध रूप से उपबंध नहीं किया गया है, भारतीय माध्यस्थम अधिनियम, 1940 के उपबंध लागू होंगे।

[फा० सं०-प००सी० 2 12/6/सी/भ० व छा०/82]  
1213/दी (भ०एल्प०सी०)]

कर्मान्व सिद्ध, अवर सचिव

New Delhi, the 10th April, 1985

S.R.O. 72.—The following draft of certain rules relating to the regulation of procedure of Committees of Arbitration which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

3. Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft within the period of sixty days so specified above, will be considered by the Central Government.

#### DRAFT RULES

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Cantonments (Regulation of Procedure of Committee of Arbitration) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Definitions.—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context :—

(a) "the Act" means the Cantonments Act, 1924;

(b) "Committee of Arbitration" constituted under section 262 of the Act;

(c) words and expressions used in these rules, but not defined shall have the same meanings assigned to them in the Act.

(4) Procedure for filling an arbitration application.—In every case, where there is a disagreement as to the liability of the Board to pay any compensation under the Act or as to the amount of any compensation so payable, the person claiming such compensation shall submit an application for arbitration to the Executive Officer specifying therein :—

(i) full details of his case and the basis of his claim;

(ii) original of the arbitration agreement, if any, out of or in connection with which the dispute has arisen or any documents or information relevant or relied upon.

(5) Reference to the Board.—On receipt of an application under rule 4, the Executive Officer shall refer it to the Board for convening a committee to determine the matter in dispute. At the same time, he shall prepare a rejoinder

setting out the Board's case accompanied by all documents and information having a bearing on the matter.

(6) Rejoinder to be sent to the applicant.—The Executive Officer shall send a copy of the rejoinder and all the appended documents, if any, by registered post, to the applicant for information.

(7) Statement of reply to be sent by the applicant.—The applicant may, within thirty days of the receipt of the rejoinder or within such extended time as may be granted by the Committee for reasons to be recorded in writing submit a statement in reply to the rejoinder.

(8) Documents to be in quintuplicate.—All statements, replies and other documents and papers submitted by the parties and all appended documents shall be in quintuplicate.

(9) Challenge to the appointment of the arbitrator.—Any party shall have the right to challenge the appointment of an arbitrator on receipt of the notice of his appointment for reasons which disqualify the arbitrator. Such challenge shall be made within thirty days after his appointment has been communicated to the challenging party, or within thirty days of the party becoming aware of the reasons for which the challenge is made. Copies of the communication of challenge shall be sent to the other party and the District Magistrate.

(10) Hearing of parties.—The committee may decide the reference on the written statements and documents accompanying them after hearing the parties.

(11) Appearance by parties.—At a hearing, a party shall be entitled to appear either himself personally or through his counsel or a duly authorised representative.

(12) Procedure for the Committee.—The Committee may proceed with the reference notwithstanding any failure by a party or parties to comply with any of the directions of the committee and may also proceed ex parte with the reference in the absence of any or both the parties who fail to attend at the time and place appointed by the committee.

(13) Award to be made in four months.—The committee shall make an award within four months from the date of entering on the reference or within such extended time as the parties may agree. Where an award has been made, the Executive Officer shall furnish a true copy of the award to the applicant by registered post.

(14) Fees to be awarded.—The committee shall be entitled to allow fees and expenses of witnesses, cost of legal or technical advice or proceedings in respect of any matter arising out of arbitration, incurred by the committee and any other incidental expenses and charges in connection with or arising out of the reference or award as the committee shall in its discretion deem fit.

(15) Costs to be awarded.—The costs of the reference and the award including charges, fees and other expenses shall be in the discretion of the committee, which may direct as to by whom, and in what manner and in what proportion such charges, fees and other expenses or any part thereof shall be borne and paid.

(16) In respect of matters not specifically provided for in the rules, the provisions of the Indian Arbitration Act, 1940 shall apply.

[File No. PC 12/6/C/L&C/82/1213/D(Q&C)]

KARTAR SINGH. Under Secy.